भारत सरकार

कारपोरेट कार्य मंत्रालय

लोकसभा

अतारांकित प्रश्न संख्या. 230

(सोमवार, 01 दिसंबर, 2025/10 अग्रहायण, 1947 (शक) को उत्तर के लिए)

संपरीक्षा फर्म सर्वेक्षण 2025

230. श्री शिवमंगल सिंह तोमरः

श्री चंदन चौहानः

श्री शशांक मणिः

श्री पी. पी. चौधरीः

श्री बंटी विवेक साहूः

क्या **कारपोरेट कार्य** कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) राष्ट्रीय वित्तीय लेखांकन प्राधिकरण (एनएफआरए) द्वारा शुरू किए गए जनसंपर्क कार्यक्रमों की शृंखला के उद्देश्यों और प्रमुख विषयों का ब्यौरा क्या है;

(ख) इन जनसंपर्क कार्यक्रमों के आयोजन स्थल और कार्यक्रम का ब्यौरा क्या है, साथ ही इनमें अब तक कितने प्रतिभागी और हितधारक शामिल हुए हैं;

(ग) एनएफआरए द्वारा इस विषय में चुनौतियों के बारे में जानने और लेखा परीक्षकों से फीडबैक प्राप्त करने के लिए जनसंपर्क गतिविधियों के साथ-साथ शुरू किए गए "संपरीक्षा फर्म सर्वेक्षण 2025" के उद्देश्य क्या हैं;

(घ) देश भर में लेखांकन गुणवत्ता और व्यावसायिक मानकों को सुदृढ बनाने के लिए एनएफआरए द्वारा उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या मध्य प्रदेश, विशेषकर छिंदवाड़ा क्षेत्र के व्यावसायिक और औद्योगिक हितधारक भी इन पहलों से लाभान्वित हुए हैं; और

(च) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कारपोरेट कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री और सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय में राज्य मंत्री।

(श्री हर्ष मल्होत्रा)

(क): देश भर में आउटरीच कार्यक्रमों के माध्यम से राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण (एनएफआरए) की पहल का उद्देश्य सभी आकार की ऑडिट फर्मों और विशेष रूप से छोटी और मध्यम आकार की ऑडिट फर्मों के लिए ऑडिट की गुणवत्ता में सुधार और स्थायी ऑडिट कार्यप्रणाली को बढ़ावा

देना है। आउटरीच कार्यक्रम की श्रृंखला का शीर्षक "एक बेहतर वित्तीय रिपोर्टिंग विश्व का निर्माण" है और इसे देश भर में विभिन्न स्थानों पर आयोजित किया जा रहा है।

(ख): जनसंपर्क कार्यक्रम नीचे दिए गए विवरण के अनुसार आयोजित किए गए:

(i) हैदराबाद में 26.09.2025 को आयोजित उस कार्यक्रम में 65 पेशेवरों ने भाग लिया, जिसमें 27 ऑडिट फर्मों के प्रतिनिधि शामिल हैं।
(ii) इंदौर में आयोजित कार्यक्रम में 13 ऑडिट फर्मों के प्रतिनिधियों सहित 42 पेशेवरों ने भाग लिया।

(ग): एनएफआरए ने ऑडिट गुणवत्ता से संबंधित मुद्दों का समाधान करने और सभी ऑडिट पेशवरों को प्रभावी ढंग से समर्थन देने की अपनी भूमिका के उद्देश्य से आउटरीच कार्यकलापों के साथ-साथ अपना पहला "ऑडिट फर्म सर्वे 2025" शुरू किया। प्राप्त अंतर्दृष्टि एनएफआरए को अपनी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को आगे बढ़ाने और सभी ऑडिट फर्मों और ऑडिट पेशेवरों के साथ रचनात्मक बातचीत को समर्थ करने में सक्षम बनाएगी। सर्वेक्षण में पूरे भारत में कुल 383 फर्मों ने भाग लिया।

(घ): एनएफआरए ने अपने अधिदेश को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित मुख्य कदम उठाए हैं -

(i) प्राधिकरण की 21 बैठकें हो चुकी हैं। पारदर्शिता के उपाय के रूप में और मानक निर्धारण के महत्वपूर्ण पहलुओं पर हितधारकों की जागरूकता के लिए सभी प्राधिकरण बैठकों के रिकॉर्ड नोट्स एनएफआरए की वेबसाइट पर दिए गए हैं।
(ii) भारतीय लेखा मानकों में कुल 47 संशोधनों/परिवर्तनों की सिफारिश की गई है, जिनमें से 44 को अधिसूचित किया जा चुका है। छोटी और मझौली कंपनियों के लिए 27 लेखांकन मानकों के एक सेट की सिफारिश की गई है जिसे कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय द्वारा अधिसूचित किया गया है।

(iii) एनएफआरए द्वारा समूह लेखा परीक्षा और गुणवत्ता प्रबंधन पर संशोधित मानकों सहित लेखा परीक्षा पर 40 संशोधित उच्च गुणवत्ता मानकों का एक सेट सुझाया गया है।

(iii) एनएफआरए ने पेशेवर कदाचार के लिए अनुशासनात्मक कार्रवाई की है, जिससे लेखा परीक्षा पेशे को कानून और लेखा और लेखा परीक्षा मानकों में उनकी जिम्मेदारी के बारे में संवेदनशील बनाया गया है। एनएफआरए के आदेशों से मिली सीख को पेशे ने ही प्रकाशित किया है। एनएफआरए ने वेबिनार भी आयोजित किए हैं और अपने अनुभव और निष्कर्षों का प्रसार करने के लिए हितधारकों के साथ लगातार संवाद रहा है

(iv) एनएफआरए ने विभिन्न प्रकार के गैर-अनुपालनों की पुनरावृत्ति को रोकने और भारत में वित्तीय रिपोर्टिंग की गुणवत्ता में प्रणालीगत सुधार लाने को ध्यान में रखते हुए से कानून और मानकों में प्रावधानों को दोहराते हुए परिपत्र जारी किए हैं, जिसका उद्देश्य विभिन्न हितधारकों को सलाह देना और मार्गदर्शन करना है।

(ङ) और (च): एनएफआरए ने इंदौर में 06.10.2025 को एक दिवसीय हितधारक जनसंपर्क कार्यक्रम और कार्यशाला का आयोजन किया। इंदौर कार्यक्रम छोटे और मध्यम ऑडिट पेशेवरों (एसएमपी) के बीच ऑडिट गुणवत्ता को मजबूत करने पर केंद्रित था और भारत के विकसित नियामक परिदृश्य में ऑडिट कार्यप्रणाली के प्रमुख पहलुओं पर विचार-विमर्श करने के लिए मध्य प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों के पेशेवरों को एक साथ लाया गया था। इसमें 13 ऑडिट फर्मों के प्रतिनिधियों सहित 42 पेशेवरों ने भाग लिया। कार्यशालाओं के लिए पंजीकरण स्वैच्छिक था और पंजीकरण विवरण भौगोलिक विशेषताओं को शामिल नहीं करते हैं।

****